स्वदेशी अर्थशास्त्रम्

SWADESHI ARTHSHASTRAM

A FORTNIGHTLY NEWSLETTER 1st to 15th February, 2026

Economics & more...

Special Article

The Union Budget 2026 : Highlights

- CA Sirish SSS TN chapter member

Currently, employer can claim a deduction for employee contributions provided the same is remitted before the due date as specified under relevant laws i.e. 15th of the next month EPF Scheme.

To simplify compliance and bring greater clarity, it is proposed to allow employers to claim the deduction as long as the employee contribution is deposited on or before the due date for filing the return of income under section 263(1) of the Act.

Read More...

News at a glance...

Govt lifts wheat export ban after nearly four years
Read more...

April-December inflation at 1.83% under the new CPI series
Read more...

FTAs to fuel critical imports, aid growth: Piyush Goyal
Read more...

India looks for 'big oil moment' in Andaman
Read more...

Trade pacts calibrated to help exporters, farmers: FM Nirmala Sitharaman
Read more...

Pulse imports drop sharply in FY26 on robust crop, stocks
Read more...

Quota for DDGS in US deal fixed at 1% of consumption for animal feed
Read more...

Research Article

Budget 2026-2027 with MSMEs

- By Priya Kumari

On Magha Purnima, coinciding with the birth anniversary of Guru Ravidas, Finance Minister Nirmala Sitharaman presented India's Union Budget 2026–27, On February 1, 2026.

Government marks a pivotal step toward "Viksit Bharat" by 2047, with a strong emphasis on youth empowerment, manufacturing resurgence, infrastructure modernization, and fiscal discipline in the face of global headwinds like geopolitical tensions and supply chain disruptions.

Read More...

More Updates

Power ministry rolls out India Energy Stack v0.3 framework
Read more...

Record phosphatic, potassic fertiliser output in Jan
Read more...

No concession for GM agri-products imports, may hits domestic soybean farmers income
Read more...

Zero duty for over half of India's exports to US: Piyush Goyal
Read more...

RBI removes cap on VRR to boost long-term FPI debt investments
Read more...

सफलता की कहानी

श्री सन्तानू सूत्रधार - दिशा एंटरप्राइजेज : एक्सपोर्ट की नौकरी छोड़कर स्वयं बने हैंडीक्राफ्ट के एक्सपोर्टर।

श्री सनतानु सूत्रधार जी बताते हैं कि उनके परिवार में व्यापार का चलन नहीं था। उनके पिताजी एक जुडिशल ऑफिसर थे जिसके कारण उन पर भी नौकरी करने का एक पारिवारिक प्रेशर था। परंतु उनके भाग्य में कुछ और लिखा था। हालाकि पढ़ाई करने के पश्चात उन्होंने सन 1997 में दिल्ली में एक्सपोर्ट कंपनी में नौकरी भी की। कुछ साल एक्सपोर्ट का तजुर्बा लेने के पश्चात उन्हें एहसास हुआ कि एक्सपोर्ट में हैंडमेड कारीगरी से बने हुए हैंडीक्राफ्ट्स के सामानों की बहुत डिमांड है। मूलत वह असम के करीमगंज क्लस्टर के परिमल जिला के निवासी थे। वह अपने आसपास के हैंडीक्राफ्ट के कार्य से भली-भाति परिचित थे। असम में बैंत के बने हुए हैंडीक्राफ्ट बनाए एवं बहुत ही पसंद किए जाते हैं।जब उन्होंने नौकरी के दौरान देखा कि इसकी विदेश में बहुत डिमांड है तब उन्होंने इसी का व्यापार करने का सोचा एवं दिल्ली की नौकरी छोड़कर वापस अपने गांव आ गए।

परिवार वाले उनके फैसले से खुश नहीं थे परंतु वह अपनी धुन के पक्के थे। उन्होंने अपने साथ कलाकारों को जोड़ना शुरु कर दिया। उन्हें अपना व्यापार शुरू करने के लिए कई समस्याओं से गुजरना पड़ा। सबसे बड़ी समस्या थी उनके छोटे से गांव से एक्सपोर्ट करना। उन दिनों एक्सपोर्ट करना भी आज के समय से अधिक चुनौती भरा कार्य होता था। उनका गांव चुकी बांग्लादेश की बॉर्डर के साथ लगता था, अत्यंत ही इंटीरियर जोन में था। जिस वजह से वहां पर ना तो सड़क, ना ही रेलवे का गुवाहाटी से सीधा संपर्क था। एक्सपोर्ट करने के लिए उन्हें सर्वप्रथम गुवाहाटी जाना पड़ता और फिर आगे से वहां उन्हें लिंक जोड़नी पड़ती। वह बताते हैं कि उन दिनों बैंक से उन्हें कोई भी मदद नहीं मिलती थी। हैंडीक्राफ्ट के कार्य की कोई मानता नहीं थी।

सर्वप्रथम उन्होंने कलाकारों से एक्सपोर्ट क्वालिटी के बेहतरीन गुणवत्ता वाले उत्पादक बनवाए जिसके लिए उन्होंने उन्हें ट्रेनिंग भी दी। उसके पश्चात गुवाहाटी जाकर उन्हें एक्सपोर्ट किया। उनका पहला एक्सपोर्ट ऑर्डर उन्हें 2009 में नीदरलैंड्स का मिला था। वह बताते हैं कि उनका व्यापार 'दिशा एंटरप्राइजेज' से वहां के कारीगरों के जीवन पर एक सकारात्मक असर हुआ है। वह उन सभी कारीगरों को गवर्नमेंट से आर्टीशन कार्ड लेकर मोहईया कराते हैं,जिससे उन्हें अनेक सुविधाएं मिलती हैं। उन्हें यह सोच कर खुशी होती है कि हैंडीक्राफ्ट असम का पुराना काम है और एक्सपोर्ट के माध्यम से उस कार्य को बढ़ावा मिलता है। वरना वह समय के साथ विलुप्त हो जाता। साडे पाँच सो कलाकार उनके साथ जुड़े हुए हैं जिसमें अधिकतर महिलाएं हैं एवं सालाना टर्नओवर करीब डेड से दो करोड़ के आसपास है।

SSS EVENT

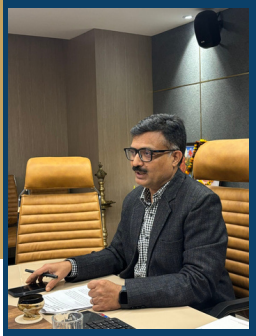

An academic Talk on "Bharat's BRICS Presidency: Shaping Global South Leadership in a Multipolar World" was successfully held on 2 February 2026 at Swadeshi Shodh Sansthan. The session was delivered by Prof. Amitabh Singh, School of International Studies, Jawaharlal Nehru University, and was chaired by Prof. Suresh Kumar, Department of African Studies, who introduced the speaker, offered concluding remarks, and presented the vote of thanks.

On 13th February 2026, a landmark Memorandum of Understanding (MoU) was signed between Swadeshi Shodh Sansthan and Maharaja Agrasen Technical Education Society (MATES) at the MAIT Campus, ECE Department.
The partnership envisions creating platforms for students, researchers, and entrepreneurs to contribute meaningfully to India's technological and socio-economic progress.
Following the signing, a thought-provoking talk on "Vision 2047: Prosperous and Great Bharat" was delivered by Sri Deepak Sharma Pradip Ji.

स्वदेशी विचार

Swaraj is my birthright, and I shall have it. Swadeshi is the practical form of Swaraj.

~ Bal Gangadhar Tilak

Our Social Media:

Editorial Board

Chief Editor : Prof. Raj K Mittal
Editor : Prof. Sunita Bharatwal
Co-Editor : Dr. Shabana
Section Editor : Ms. Urshita Bansal
Technical & Design : Mr. Naman Kashyap